कल्पतरु एक्सप्रेस

लखनऊ | बुधवार | 25 मार्च 2015

उन्नत बीज व तकनीक से बढ़ेगी गन्ना उपज

लखनऊ। प्रदेश का गन्ना किसान प्रति एकड़ लगभग 35-40 टन उपज प्राप्त कर रहा है जबकि बिहार के किसान सिर्फ 15-20 टन प्रति एकड़ गन्ना उपज प्राप्त कर रहे हैं। यह बिहार गन्ना व चीनी उद्योग के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। पर, इस समस्या के समाधान में भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ हरसंभव सहायता कर रहा है। संस्थान बिहार के हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर तथा रीगा चीनी मिल, सीतामढ़ी के 40 कृषकों का पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण (23-27 मार्च) संस्थान में आयोजित किया है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में गन्ना उत्पादन में प्रमुख समस्या, उपलब्ध तकनीकों तथा भविष्य की रणनिति पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने वर्तमान के उपज स्तर पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने इसके लिए पुरानी क़िस्मों की खेती, किसानों द्वारा नई तकनीकों को नहीं अपनाना तथा काफी लंबे समय तक खेतों में जलभराव को प्रमुख रूप से जिम्मेदार कारक बताया। संस्थान के प्रसार व प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एके साह ने बताया कि जहां एक ओर उत्तर प्रदेश में लगभग 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है तथा 115-120 चीनी मिलें कार्यरत हैं वहीं, बिहार में सिर्फ एक लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने की खेती होती है तथा 10 चीनी मिलों में पेराई होती है।

लखनऊ, 25 मार्च 2015 दैनिक जागरण | 9

उन्नत किस्मों से बढ़ेगी गन्ने की पैदावार

जासं, लखनऊ :प्रदेश का गन्ना किसान प्रति एकड़ लगभग 35-40 टन उपज प्राप्त कर रहा है जबकि बिहार के किसान सिर्फ 15-20 टन प्रति एकड़ गन्ना उपज प्राप्त कर रहे हैं। यह खासकर बिहार गन्ना व चीनी उद्योग के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान का प्रयास है कि इस अंतर को दूर किया जाए। यह बात संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में निदेशक डॉ. ओके सिन्हा ने कही। डॉ.सिन्हा ने गन्ना उपज स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों द्वारा नई तकनीकों अपनाने पर जोर दिया। कम उपज के लिए लंबे समय तक खेतों में जल-भराव को जिम्मेदार बताया।

संस्थान के प्रसार व प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. एके साह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को कृषकों को आधुनिक गन्ना खेती के प्रति जागरूक करने में एक अहम् कड़ी बताया। उन्होंने बताया कि जहां एक ओर उत्तर प्रदेश में लगभग 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है तथा 115-120 चीनी मिलें कार्यरत हैं। वहीं बिहार में सिर्फ 90,000-1,00,000 हे0 क्षेत्रफल में खेती होती है तथा 10 चीनी मिलों में पेराई होती है। खेती के लिए उपलब्ध सभी प्राकृतिक संसाधनों के होते हुए भी बिहार में गन्ना व चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा हुआ है। जिसे उन्नत बनाकर किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर किया जा सकता है।

जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, बुधवार, 25 मार्च 2015

उन्नत किस्म और तकनीक से बढ़ेगी गन्ने की पैदावार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का गन्ना किसान प्रति एकड़ लगभग 35-40 टन उपज प्राप्त कर रहा है, जबकि बिहार के किसान सिर्फ 15-20 टन प्रति एकड़ गन्ना उपज प्राप्त कर रहे है। यह एक गंभीर चिंता का विषय है खासकर बिहार गन्ना व चीनी उद्योग के लिए। इस समस्या के समाधान के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान हर-संभव सहायता कर रहा है तथा आगे भी प्रयास करता रहेगा।

यह बात मंगलवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) में बिहार के हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर और रीगा चीनी मिल, सीतामढ़ी के 40 कृषकों के लिए पाँच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में गन्ना उत्पादन में प्रमुख समस्या, उपलब्ध तकनीकों तथा भविष्य की रणनिति पर प्रकाश डालते हुए संस्थान के निदेशक डा. ओ के सिन्हा ने वर्तमान के उपज स्तर पर गंभीर चिंता जतायी।

प्रशिक्षण

आइआइएसआर में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरु

उन्होंने इसके लिए पुरानी किस्मों की खेती, किसानों द्वारा नई तकनीकों को नहीं अपनाना तथा काफी लंबे समय तक खेतों में जल-भराव को प्रमुख रूप से जिम्मेदार कारक बताया। संस्थान के प्रसार व प्रशिक्षण प्रभारी डा. ए के साह ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को कृषकों को आधुनिक गन्ना खेती के प्रति जागरूक करने में एक अहम कड़ी बताया। डा. साह ने बताया कि जहाँ एक ओर प्रदेश में लगभग 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती होती है तथा 115-120 चीनी मिलें कार्यरत है वहीं बिहार में सिर्फ 90 हजार से एक लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ने की खेती होती है। 10 चीनी मिलों में पेराई होती है। गन्ना खेती के लिए उपलब्ध सभी प्राकृतिक संसाधनों के होते हुए भी बिहार में गन्ना व चीनी उद्योग उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा हुआ है। जिसे उन्नत बनाकर किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर किया जा सकता है। इन बातों का संज्ञान लेते हुए बिहार के कृषकों को सुधरी तथा उन्नत किस्मों, बुवाई विधियों, पोषक तत्व प्रबंधन, उर्वरक प्रबंधन, बीमारी व कीट प्रबंधन, गुड़ बनाने की तकनीक, गन्ना खेती यंत्र इत्यादि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रायोगिक तरीके से दी जा रहीं है। प्रशिक्षण में भाग ले रहे किसानों को गन्ना खेती में उच्चतम उपज प्राप्त करने वाले किसानों के खेतों पर भी भ्रमण कराया जाएगा जिससे बिहार के किसान उन्नत तकनीकों को खेतों में देख कर प्रभावित हों तथा घर वापस जाकर अपने खेतों में उन तकनीकों को अपना सके। वसं.

आइआइएसआर में आयोजित गन्ना किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित बिहार से आये किसान और वैज्ञानिकगण